Sirdi

साथिन जुड़ो - आगे बढ़ो

IRA Institute of Regional Analysis

सतपुड़ा एकीकृत ग्रामीण विकास संस्था (सिरडी)
इन्स्टीट्यिूट ऑफ रीजनल एनालिसिस (आई.आर.ए.) एवं
साथिन फेडरेशन

के संयुक्त तत्वाधान में

डॉ. डी. के. शर्मा स्मृति सेमिनार

'पंचायतीराज एवं पंचायतों की जवाबदेही - वर्तमान परिदृश्य'

''लीक पर वे चले जिनके चरण दुर्बल हारे हैं।
हमें तो जो हमारी यात्रा से बने, ऐसे अनिमित पंथ प्यारे हैं।।''

– सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

सरकारी नौकरी में रहते हुये डॉ. साहब ने शोध संस्थान की कल्पना कर इन्स्टीट्यूट ऑफ रीजनल एनालिसिस, भोपाल (आई.आर.ए.) की स्थापना की और शोध के निष्कर्ष को मूर्त रूप देने के लिये "सतपुड़ा एकीकृत ग्रामीण विकास संस्थान" की स्थापना की।

डॉ शर्मा रीजनल प्लानिंग, आर्थिक एवं सामाजिक शोध, ग्रामीण एवं आदिवासी विकास का जो अनुभव हमें देकर गए हैं उनका ''अपनाने का विश्वास'' व ''ऊर्जा'' हमारे साथ है। उनके अनुभव व उनकी स्मृति को सहजने एवं समेटने हेतु द्वितीय पुण्यतिथि पर हम ''पंचायती राज'' एवं ''पंचायतों की जबाबदेही'' पर दो दिवसीय सेमीनार का आयोजन कर रहे हैं।

73वें संविधान संशोधन द्वारा गाँव के आम लोगों, वंचित तबकों व महिलाओं को सत्ता में भागीदारी और नेतृत्व का संवैधानिक अवसर मिला हैं। पंचायत राज व्यवस्था के तहत स्थानीय स्तर पर सत्ता और विकास के कामों में गाँव के लोगों के साथ ही साथ पंचायत प्रतिनिधियों को भागीदार बनाया गया हैं।

इस व्यवस्था में न केवल चुने हुये पंचायत प्रतिनिधियों को अधिकार दिये गये हैं बल्कि गॉव के आम लोगों को खास जिम्मेदारियाँ और शक्तियाँ दी गई हैं। गाँव के लोग अब सत्ता, विकास कार्यों, जन भागीदारी, राजनीति एवं सभी तरह के कामों में बराबरी की भूमिका निभा सकते हैं।

इस दो दिवसीय सेमीनार में हम और आप मिलकर वर्तमान पंचायतों को दी हुई जबाबदारी व उस जबाबदारी को पूरा करने में हम सबकी क्या जबाबदेही बनती हैं, पर चर्चा करेगें। बहुत छोटा प्रयास होगा, पर भविष्य में पंचायती राज संस्थाओं के नियोजन व क्रियान्वयन में मददगार होगा।

आपसे हमारा आग्रह है कि आप इस कार्यक्रम में उपस्थित रहकर अपने अनुभवों एवं विचारों को बांटे। कृपया आने की पूर्व सूचना 10 फरवरी तक देंगे तो आपके रूकने व खाने की व्यवस्था ठीक से हो सकेगी।

शुभकामनाओं सहित!
सादर
डॉ. उपमा दीवान
सिरडी, आई.आर.ए. एवं साथिन फेडरेशन

दिनांक : **16, 17** फरवरी **2013**
स्थान : पलासखेडी (बहिरम)
समय : **16.02.2013** को सुबह **11** बजे से
17.02.2013 की शाम **4** बजे तक

कैसे पहुँचना है –

1 हमारा परिसर गाँव पलासखेड़ी (बहिरम) मुख्य पक्की सड़क जो बैतूल से परतवाड़ा जाती है, से कच्चे रास्ते पर 100 मीटर की दूरी पर अंदर की तरफ स्थित है।
2 हमारा परिसर बहिरम मंदिर एवं वन विभाग की चौकी से भी आधा किलोमीटर की दूरी पर है।
3 बैतूल परतवाड़ा मार्ग पर 85 किलोमीटर पर बहिरम मंदिर एवं चौकी आती है। बस वाले से कहने पर वे संस्था परिसर के पास उतार देते है।
4 महाराष्ट्र की तरफ से आने वालों के लिये अमरावती से परतवाड़ा आना होता है वहाँ से परतवाड़ा बैतूल मार्ग पर 13वें किलोमीटर पर हमारा परिसर आता है। परतवाड़ा से बहिरम के लिये ऑटो भी उपलब्ध होते हैं।
5 बैतूल, भोपाल–नागपुर जाने वाले रेलमार्ग पर स्थित मध्य में स्थित है।

मुख्यालय – **1 /A,** ग्रीन सिटी, गुलमोहर, भोपाल–**462039**
क्षेत्रीय कार्यालय – पलासखेडी (बहिरम) पोस्ट, मुक्तागिरी, तहसील –भैसदेही, जिला–बैतूल (म.प्र.)
सम्पर्क –**09329666025, 9301145973, 8370089394, 9604903793**
E-mail : iraindia@gmail.com, sirdiemail@gmail.com, sathinfederation@gmail.com